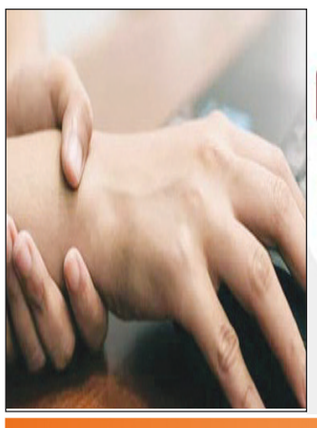

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइया पेज: 7

'आर्टिकल 370 के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 111 | शनिवार 25 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन में लाठीचार्ज का मामला: सुप्रीम कोर्ट में पुलिस बर्बरता पर 27 जुलाई को बड़ी सुनवाई

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं पर 27 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिनमें आरोप लगाया गया है कि परीक्षा के पेपर लीक होने के विरोध में जंतर-मंतर और देश भर में अन्य जगहों पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस ने जरूरत से ज्यादा सख़्त कार्रवाई की। यह मामला सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच के सामने रखा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित हिंसा से जुड़ी दो याचिकाएं दायर की गई हैं। शंकरनारायणन ने कहा कि ये याचिकाएं छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित हिंसा की घटनाओं से जुड़ी हैं और इनमें कई राज्यों को पक्षकार बनाया गया है।

मित्रों नहीं फ्रेंड्स, टू द प्वाइंट बात, सेल्फी वीडियो और जेन-जी की भाषा के जरिए पीएम मोदी ने क्या संदेश दिया?

नई दिल्ली एजेंसी: गुरुवार रात 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सेल्फी वीडियो संदेश पोस्ट करके सीधा छात्रों से संपर्क साधा और नीट पेपर लीक विवाद के बीच उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। यह स्वीकार करते हुए कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है, उन्होंने कड़ी कार्रवाई का वादा किया। इसमें शुक्रवार को कैबिनेट द्वारा एक प्रस्तावित कानून पर निर्णय लेना भी शामिल है, जिसमें परीक्षा में धांधली करने वालों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों और कड़े दंड का प्रावधान है। प्रधानमंत्री का यह प्रयास उनके संचार के पारंपरिक तरीके से काफी अलग था। किसी आधिकारिक स्थान से टीवी पर दिए जाने वाले संबोधन के बजाय, मोदी ने तीन मिनट से भी छोटा सेल्फी वीडियो चुना–जो विशेष रूप से

युवाओं और डिजिटल-फर्स्ट दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्रतीत होता है। छात्रों को दोस्तों कहकर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है। इससे लाखों छात्रों और उनके माता-पिता को भारी कष्ट हुआ है। इसीलिए, पेपर लीक की घटना के बाद से पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए गए हैं। दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे अब जेल में हैं। प्राइम मिनिस्टर के पास में बहुत संसाधन हैं। उनके तमाम कैमरे हैं और वो किसी भी तरह का फ्रेम उनके लिए किसी भी समय तैयार किया जा सकता है। लेकिन वो एक सेल्फी वीडियो बनाते हैं। सेल्फी वो क्योंकि वो अब उन युवाओं से ही कम्युनिकेट करना चाहते हैं। उन्हीं की भाषा में कम्युनिकेट करना चाहते हैं। इसलिए जो पहला जो पहला शब्द है उसमें साथियों नहीं है। पहला शब्द उसमें फ्रेंड्स हैं। जेन जी की

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं........

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नीट पेपर लीक विवाद को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को

एक अच्छी बात है कि वो उस वो मीम जब बनाता है तो उसके अंदर वो एक कॉम्प्लिकेटेड बात कहेगा या सुनेगा। लेकिन जब वो किसी चीज को लेकर के सीरियस है तो फिर वो खराखरा सुनना चाहता है। पीएम मोदी जितना जितना सरल होकर खरा कहने की कोशिश की है और उसमें प्राइम मिनिस्टर ने कहा कि वो समझते हैं जो छात्रों की तकलीफ है वो अपना पक्ष रखते हैं कि हमने जल्दी से जल्दी रीनेट करवा दिया। वो ये बताते हैं कि स्पेशल कोर्ट्स है और वो ये भी कहते हैं कि एक नया कानून बनवाया जाएगा। जो प्रदर्शनकारी थे उनके बीच में एक मत बनता जा रहा था कि सरकार इस चीज को डिले कर रही है। डेफर कर रही है। इस चीज का इंतजार कर रही है कि प्रदर्शन कब खुद ब खुद खत्म हो जाए। एक महीने से सरकार ने यह करके देख लिया था। उससे हो नहीं रहा था। उनको समझ में आया कि अब बात करने का तरीका थोड़ा सा चेंज करना पड़ेगा। अप्रोच चेंज करना पड़ेगा और ये आपको प्राइम मिनिस्टर के वीडियो में देखने को मिल जाएगा। एक ही दिन में छात्रों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह दूसरा संदेश था, जिसमें उन्होंने कार्रवाई का भरोसा फिर से दिलाया। इससे पहले सुबह उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया था"हमारे युवाओं की भलाई और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है !छात्रों की उम्मीदों की रक्षा करने, प्रतियोगी परीक्षाओं में भरोसा बहाल करने और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के नजरिए से सरकार का पक्ष रखकर, पीएम मोदी ने 'जेन जी' तक पहुँचने की एक सोची-समझी कोशिश की। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पेपर लीक विवाद के कारण सीजेपी के नेतृत्व में देश भर में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से दूर रहने की ड्यू एडवाइजरी: राहुल गांधी बोले- छात्रों के हक पर हमला

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी की आलोचना की। यूनिवर्सिटी ने एक एडवाइजरी जारी कर छात्रों से जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन न करने को कहा था। गांधी ने यूनिवर्सिटी पर आरोप लगाया कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे छात्रों को धमका रही है। पर यूनिवर्सिटी की पोस्ट शेयर करते हुए गांधी ने कहा कि छात्रों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए धमकाने की हिम्मत कैसे हुई? ध्यान रहे, जब समय आएगा तो आप ही जवाबदेह ठहराए जाएंगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों को सलाह दी है कि वे जंतर-मंतर पर गैर-कानूनी सभाओं या प्रदर्शनों से दूर रहें।

यूनिवर्सिटी ने कहा है कि ऐसी गतिविधियों से कानूनी कार्रवाई हो सकती है और इससे स्टूडेंट्स की सुरक्षा के साथ-साथ उनके एकेडमिक और प्रोफेशनल भविष्य पर भी असर पड़ सकता है। यूनिवर्सिटी ने कहा कि प्रिय स्टूडेंट्स और फैकल्टी, आपकी सुरक्षा हमारे लिए अहम है। कृपया ध्यान दें कि जंतर-मंतर, नई दिल्ली में कोई भी गैर-कानूनी सभा या प्रदर्शन–जिन पर भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत सख्ती से नियम लागू हैं–कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है। इतिहास इसमें हालात को और भड़काने के लिए बड़ी मात्रा में फजी और गुमराह करने वाली जानकारी फैलने के बारे में भी चेतावनी दी गई और छात्रों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई। राहुल गांधी की ये बातें नीट-यूजी 2026 परीक्षा को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के संदर्भ में सामने आईं। इससे पहले शुक्रवार को, गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वीडियो मैसेज की आलोचना की जिसमें पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई का वादा किया गया था। उन्होंने प्रधान को हटाने, प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने वालों को सजा देने और माफी मांगने की मांग की। गांधी ने कहा कि मिस्टर मोदी, हमारे छात्र धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आधी रात को जारी इस बेकार वीडियो से उनकी समझदारी का अपमान न करें। उन्होंने आगे कहा कि 1. प्रधान को हटाओ। 2. छात्रों को पीटने वालों को सजा दो। 3. माफी मांगो।

कांग्रेस के इमरान मसूद ने सोनम वांगचुक को बताया 'दूसरा अन्ना', बीजेपी ने किया पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन को लेकर सियासत तेज हो गई है। 26 दिनों से सोनम वांगचुक का अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त हो गया है। हालांकि, इसको लेकर विपक्ष की ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वह अन्ना (सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे) का दूसरा रूप हैं। अन्ना 12 साल तक चुप रहे और अब सोनम वांगचुक चुप रहेंगे। कल आप सरकार के साथ समझौता कर रहे थे; उस समय क्या वहां कोई छात्र मौजूद था? सरकार के साथ आपके निजी समझौते के अलावा और क्या है? वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता

शहजाद पूनावाला ने सोनम वांगचुक के बारे में इमरान मसूद की अन्ना पार्ट टू और सरकार के साथ पर्सनल डील वाली टिप्पणियों पर पलटवार किया है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी हैं, जिस तरह से उन्होंने सोनम वांगचुक का अपमान किया है। राहुल गांधी कभी सोनम वांगचुक के पास नहीं गए, वे 21 दिनों तक छुट्टी पर थे और उन्होंने कभी छात्रों या उनके विरोध-प्रदर्शन की परवाह नहीं की। आज, जब सरकार ने प्रदर्शनकारियों और सोनम वांगचुक से बात की है, उनका अनशन खत्म कराया है और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की उनकी मांग मान ली है, तो राहुल चर्चा से भाग रहे हैं और अपने सांसदों से सोनम वांगचुक को अपशब्द कहलवा रहे हैं। वे इसलिए बहुत परेशान हैं क्योंकि उन्हें इसका क्रेडिट नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम छात्रों के हितों के लिए प्रतिबद्ध हैं; वे ही लगातार फास्ट-ट्रैक कोर्ट, नकल-रोधी कानून, ठएएळ परीक्षा का सही ढंग से आयोजन और शिक्षा मंत्रालय में कार्रवाई जैसे मुद्दों के लिए लड़ते रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी को देखिए। उनके अपने राज्यों में पेपर लीक हो जाते हैं, लेकिन वे एक चपरासी को भी नौकरी से नहीं निकालते, कोई कार्रवाई नहीं करते। और अब वे सोनम वांगचुक को अपशब्द कह रहे हैं,

उनका अपमान कर रहे हैं क्योंकि उन्हें क्रेडिट चाहिए। यह क्रेडिट की लड़ाई है, छात्रों की लड़ाई नहीं। प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाला विधेयक संसद में पेश किए जाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन पर निशाना साधते हुए

केंद्र सरकार और सीजेपी के बीच दो शर्तों पर बनी बात, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर फंसा पेच; मीटिंग में क्या-क्या हुआ?

नई दिल्ली एजेंसी: कॉकरोच जनता पार्टी और केंद्रीय सरकार के बीच आज शुक्रवार को एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह रहे, जबकि सीजेपी की तरफ से आशुतोष राका व सौरव दास मौजूद रहे। यह बैठक दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के पास वीपी हाउस में हुई। सीजेपी और केंद्र सरकार के बीच करीब 45 मिनट तक चली इस अहम बैठक में सीजेपी की बड़ी मांगों पर चर्चा हुई है। सीजेपी की ओर से सरकार के सामने तीन मांगें रखी गईं। हालांकि, केंद्र सरकार ने सीजेपी से कल यानी शनिवार दोपहर तक के लिए समय मांगा है। क्या बोले जेपी नड्डा? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार को सीजेपी द्वारा रखी गई मांगों पर विचार और चर्चा करने के लिए समय चाहिए होगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी के साथ आगे भी बातचीत हो सकती है, जिससे यह संकेत मिलता है कि बातचीत बंद

नहीं हुई है (कोई गतिरोध नहीं है)। धर्मेंद्र प्रधान की मांग पर अड़िग सीजेपी बैठक के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से कहा गया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर समझौता नहीं होगा। हालांकि, केंद्र सरकार सीजेपी की दो मांगें तो मानने को तैयार हैं लेकिन, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर विचार को लेकर सरकार ने कल तक का समय मांगा है। अब देखना यह होगा कि क्या कल सरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए तैयार होगी? सीजेपी की चेतावनी कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से साफ कहा गया है कि अगर धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो आंदोलन और बड़ा होगा। सीजेपी की ओर से कहा गया कि सरकार द्वारा मांगें नहीं मानने पर पूरे देश में बड़ा आंदोलन होगा। क्या हैं तीन बड़ी मांगें? 1. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग। 2. पीड़ित परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग। 3. प्रदर्शन के दौरान जिन छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज हुई, सभी को रद किया जाए।

सीएम हिमंत बिस्वा शर्मा की चेतावनी, कनेक्टिविटी ठप होने से बढ़ सकता है मृत्यु दर

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई इलाके संपर्क से कट गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 47 लोगों की मौत हो चुकी है और 8 लोग लापता हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कई प्रभावित इलाकों, खासकर चराइदेव और शिवसागर जिलों में नहीं पहुँच पाई है, और कनेक्टिविटी में रुकावट के कारण कई लोग अपनी स्थिति की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि चराइदेव और शिवसागर जिलों में लापता लोगों की संख्या सात बताई गई है। लेकिन कई लोग हमें जानकारी देने की स्थिति में नहीं हैं। हमारा उनसे संपर्क टूट गया है। इसलिए मुझे लगता है कि मरने वालों और लापता लोगों की संख्या बढ़ेगी ही। आज हमने जो संख्या बताई है, असल संख्या उससे ज्यादा होगी। यह बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि असम में 77 राजस्व क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जिनमें अब तक 47 लोगों की मौत हुई है और आठ लोग लापता हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, "चराइदेव जिले में तीन राजस्व क्षेत्र, 152 गाँव और 1,33,159 लोग प्रभावित हुए हैं; 10 लोगों की मौत हुई है और एक व्यक्ति अभी भी लापता है। शिवसागर जिले में 5 राजस्व क्षेत्र, 333 गाँव और 5.30 लाख आबादी प्रभावित हुई है; अब तक 21 लोगों की मौत हुई है और छह अन्य लापता हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि चराइदेव के सभी बाढ़ प्रभावित गाँवों में राहत सामग्री भेजी गई है, जबकि शिवसागर के नजीरा में प्रभावित इलाकों के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से तक अधिकारी नहीं पहुँच पाए हैं

सोनिया गांधी का आरोप, मोदी सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ देश के शत्रुओं जैसा व्यवहार कर रही है

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक और शिक्षा व्यवस्था के पतन के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन तथा जवाबदेही की मांग कर रहे छात्रों को नरेन्द्र मोदी सरकार देश के शत्रु की तरह पेश कर रही है और उनकी आवाज दबाने के लिए दमनकारी ताकत का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक द्यद हिंदू के लिए लिखे लेख में यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगें सीधी और स्पष्ट हैं कि भारत सरकार की जवाबदेही तय हो और शिक्षा में सुधार किया जाए। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया, मोदी सरकार ने उनकी बहादुरी का जवाब कायरता और निर्मम क्रूरता से दिया है, उनके साथ भविष्य के कर्णधारों की तरह नहीं, बल्कि देश के शत्रुओं की तरह व्यवहार किया है। उन्होंने 20 जुलाई की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह शर्मनाक दिन था, जब दिल्ली पुलिस

और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बिना किसी उकसावे के हिंसा का सहारा लिया। सोनिया गांधी ने लिखा, इसने हमारी सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार नियमित रूप से संवाद के बजाय हिंसा का इस्तेमाल करती है और किसानों से लेकर कार्यकताओं तक, असहमति को दबाने की एक स्पष्ट प्रवृत्ति दिखायी देती है। सोनिया गांधी ने लिखा, हमारे भविष्य के डॉक्टरों और इंजीनियरों, शिक्षकों और लोक सेवकों, उद्यमियों और राष्ट्र निमार्ताओं तक पहुंचने और उन्हें समझने के बजाय, सरकार ने उनके खिलाफ राज्य की दमनकारी शक्ति का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इसे न तो माफ किया जा सकता है और न ही भुलाया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन को बदनाम करने के लिए सरकार ने हर असहमति को राष्ट्र-विरोधी बताने वाले पुराने टूलकिट का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा, मोदी सरकार ने छात्रों के आंदोलन को कलंकित करने के लिए अपने पुराने टूलकिट को फिर से इस्तेमाल किया

व्यवस्था में होगा सुधार, पद छोड़ना नहीं है समाधान, सरकारी सूत्रों के हवाले से बड़ा दावा- पूरी पार्टी धर्मेंद्र प्रधान के साथ खड़ी

नई दिल्ली एजेंसी: नीट-यूजी पेपर लीक बवाल के बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का सवाल ही पैदा नहीं होता। सरकारी सूत्रों ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इस्तीफा देना? नो चांस!सूत्रों के मुताबिक, इस्तीफा देकर ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ना और मैदान छोड़कर भागना तो सबसे आसान काम है। जनता ने हमें जनादेश दिया है काम करने के लिए, और हम काम करके दिखाएंगे-भागेंगे नहीं। सूत्रों के अनुसार, सरकार का मानना है कि इस्तीफा देना और जिम्मेदारी से पीछे हट जाना सबसे आसान रास्ता है। जनता ने सरकार को जनादेश दिया है और सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए व्यवस्था में सुधार करेगी। पूरी पार्टी धर्मेंद्र प्रधान के साथ खड़ी है। यह घटनाक्रम 'कॉकरोच जनता पार्टी' के लिए एक बड़ा झटका है, जो जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है और नीट पेपर लीक विवाद व परीक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। सूत्रों ने बताया कि सरकार दिखावटी कदम उठाने के बजाय नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की व्यवस्थागत कमियों को दूर करने पर ध्यान दे रही

है। परीक्षा आयोजित करने वाली इस संस्था की कमियों की एक विस्तृत सूची तैयार की गई है और उम्मीद है कि जल्द ही सुधार के उपाय लागू किए जाएंगे। सूत्रों ने पेपर लीक नेटवर्क के खिलाफ सरकार की जारी कार्रवाई का भी ज़िक्र किया और बताया कि परीक्षा के पेपर लीक करने वाले कई गिरोहों का पर्दाफाश किया जा चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

जनता ने हमें जनादेश दिया है काम करने के लिए, और हम काम करके दिखाएंगे–भागेंगे नहीं। सूत्रों के अनुसार, सरकार का मानना है कि इस्तीफा देना और जिम्मेदारी से पीछे हट जाना सबसे आसान रास्ता है। जनता ने सरकार को जनादेश दिया है

सरकार का यह बयान ऐसे समय में आया है जब नीट पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे सीजेपी ने फिर से दोहराया कि प्रधान का इस्तीफा एक ऐसी मांग है जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। शुक्रवार को विठ्ठलभाई पटेल हाउस में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ हुई दो घंटे की बैठक में, सीजेपी के प्रतिनिधियों ने सरकार से कहा कि वे प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग से पीछे नहीं हटेंगे। संगठन ने सोमवार को हुए 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस बर्बरता के लिए केंद्र सरकार, रैपिड एक्शन फोर्स और दिल्ली पुलिस कमिश्नर से सार्वजनिक माफी की भी मांग की। सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास ने कहा कि संगठन ने 3 मई की नीट परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज त्रक्षफ वापस लेने और परीक्षा सुधारों पर अपने पांच-सूत्रीय चार्टर को स्वीकार करने की भी मांग की।

सरकार को सौंपे गए एक पत्र में, सीजेपी ने कहा कि उसने देश भर में अपने समर्थकों और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के बाद यह तय किया है कि उसकी मांगें - जिनमें प्रधान का इस्तीफा, NEET पीड़ितों के परिवारों के लिए

संपादकीय

खतरे में दिल

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दशार्या है कि शुरूआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरूआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दशार्ता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है।

न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।...

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया से ब्रेनवॉश और क्रिप्टो फंडिंग तक आतंक का नया जाल, लेकिन सतर्क सुरक्षा एजेंसियां हर साजिश को कर रही हैं नाकाम...

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित श्री-एप मॉडल के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है।

तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन दूसरी ओर भारत की खुफिया और जांच एजेंसियां भी समान रूप से सजग हैं। वर्षों के अनुभव, आधुनिक तकनीक और मजबूत समन्वय के कारण वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हुई हैं। अनुभवी अधिकारी व्यवहार, डिजिटल गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों का विश्लेषण कर समय रहते खतरे का आकलन कर लेते हैं। यही सतर्कता अनेक संभावित घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक देती है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व नहीं है बल्कि समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। डिजिटल साक्षरता, तथ्य आधारित सोच और अफवाहों से बचने की आदत विकसित करना आज की आवश्यकता है। यदि समाज जागरूक रहेगा तो आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भ्रमित करना कठिन हो जाएगा। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह आतंकवाद के किसी भी रूप को स्वीकार नहीं करेगा। सीमा पर कठोर सुरक्षा व्यवस्था, देश के भीतर मजबूत जांच तंत्र, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जीरो टॉलरेंस की नीति ने आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को लगातार सीमित किया है। यदि कोई आतंकी नेटवर्क भूमिगत होकर छिपने का प्रयास भी करता है तो सुरक्षा एजेंसियां उसे खोज निकालने और कानून के दायरे में लाने के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। यही दृढ़ इच्छाशक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकवाद का स्वरूप चाहे कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसका उद्देश्य समाज में भय, अस्थिरता और विभाजन पैदा करना ही होता है। इसके मुकाबले के लिए केवल हथियार नहीं बल्कि तकनीकी दक्षता, मजबूत खुफिया तंत्र, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता होती है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आतंकवाद का नया डिजिटल मॉडल भी भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने लंबे समय तक सफल नहीं हो पाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति, सतर्क सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और जागरूक नागरिकों के सहयोग से आतंकवाद के हर नए रूप का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार हैं)

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ एवं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

अमरोहा
शनिवार 25 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/बिजनौर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ढवारसी में 500 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क का विधायक ने किया शिलान्यास

50 लाख की लागत से यूपी ग्रामीण बैंक से समरपाल हलवाई की दुकान तक बनेगा मार्ग

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- लंबे समय से बदहाल सड़क की समस्या से जूझ रहे ढवारसी गांव के निवासियों को अब राहत मिलने वाली है। गांव में 500 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण शुरू होने जा रहा है। शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने फीता काटकर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। यह सड़क यूपी ग्रामीण बैंक से लेकर समरपाल हलवाई के यहां तक बनाई जाएगी। इस मार्ग के बनने से ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली बच्चों और व्यापारियों को आवागमन में काफी

सुविधा होगी। बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों से निजात मिलेगी। इस सड़क पर करीब 50 लाख रुपये की लागत आएगी। विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव और कस्बों में आधारभूत सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी तभी ग्रामीण क्षेत्र का वास्तविक विकास संभव है। शिलान्यास के दौरान मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, अमन गोयल, अंकित सागर, दीपक मावी, नीरज मावी, मुकेश खड़गवंशी, हेतराम प्रधान, गिरीश गोस्वामी, वकील अहमद, अंकुर त्यागी, राजेश शर्मा, अभिनव शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि इस सड़क से गांव की तस्वीर बदलेगी।

दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी ई-ट्राईसाइकिल, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अवगत कराया कि निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेर्शानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं (बेटियों) को दैनिक रूप से विद्यालय, लाइब्रेरी, लैब, हॉस्टल आदि तक सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-ट्राईसाइकिल प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत प्रति ई-ट्राईसाइकिल अधिकतम 65 हजार रुपये तक का अनुदान अनुमन्य होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ ऐसे पात्र दिव्यांग छात्राओं को दिया जाएगा,

जो मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया अथवा इसी प्रकार की शारीरिक दिव्यांगता से ग्रसित हों। साथ ही उनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो, कमर के ऊपर का भाग स्वस्थ हो तथा वे अपने हाथों से ई-ट्राईसाइकिल का संचालन करने में सक्षम हों। संबंधित छात्रा की दिव्यांगता का प्रमाणन मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा किया गया होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की उत्तर प्रदेश की निवासी दिव्यांग छात्राओं को दिया जाएगा। लाभार्थी अथवा उसका परिवार आयकरदाता नहीं होना चाहिए। प्राथमिकता गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले पात्र लाभार्थियों को दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजन को पांच वर्ष में केवल एक बार ई-ट्राईसाइकिल का लाभ दिया जाएगा। अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र संबंधित शिक्षण संस्थान के संस्थाध्यक्ष द्वारा जारी किया जाना आवश्यक होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। इच्छुक पात्र दिव्यांग छात्राएं hwd.uphq.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक अभिलेखों सहित आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करें। तकनीकी समिति द्वारा परीक्षण उपरांत पात्र पाए गए आवेदनों को "प्रथम आवक, प्रथम पावक" के सिद्धांत के आधार पर सूचीबद्ध करते हुए उपलब्ध बजट के अनुसार जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली अनुमोदन समिति के समक्ष स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ दिव्यांगता प्रमाण-पत्र (40 प्रतिशत से 100 प्रतिशत), निवास प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र, जाति प्रमाण-पत्र तथा शिक्षण संस्थान द्वारा जारी अध्ययनरत प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कक्ष संख्या-18, जोया रोड, अमरोहा में संपर्क कर सकते हैं।

धान की फसल को बेहतर बनाने के लिए प्रेटिलाक्लोर या एनीलोफास विसपाइरीबैक सोडियम का करे छिड़काव

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार, जनपद के धान उत्पादक किसान भाईयों को परामर्श देते हुए कहा कि मौसम में उतार चढ़ाव के कारण धान की फसल में दीमक, खैरा रोग, तना छेदक, पत्ती लपेटक, जीवाणु झुलसा और खरपतवार का प्रकोप बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। कृषि रक्षा विभाग ने किसानों को समय रहते बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के शुरूआती दिनों में प्रेटिलाक्लोर या एनीलोफास और 15-20 दिन बाद विसपाइरीबैक सोडियम का छिड़काव करें। दीमक और जड़ की सूंडी से

बचाव के लिए नीम की खली या जैविक कीटनाशक व्यूवेरिया बैसियाना को गोबर की खाद में मिलाकर खेत की आखिरी जुताई में मिलाए, अथवा क्लोरपायरीफॉस का प्रयोग करें।खैरा रोग के लक्षण दिखने पर जिंक सल्फेट व यूरिया के घोल का छिड़काव करें। तना छेदक और पत्ती लपेटक कीटों के लिए फेरोमेन ट्रैप, फिप्रोनिल या कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड का इस्तेमाल करें। जीवाणु झुलसा के नियंत्रण के लिए स्यूडोमोनास या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के साथ स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट का घोल बनाकर छिड़के। जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि किसान अपनी समस्याओं और दवाओं के लिए नजदीकी विकासखण्ड स्तरीय कृषि रक्षा इकाई से सम्पर्क कर सकते है। कृषि रक्षा रसायनों और खरपतवारनाशी पर 50 प्रतिशत तथा बॉयोपेस्टीसाइड्स / जैविक कीटनाशकों पर 75 प्रतिशत का अनुदान राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य है।

आईजीआरएस एवं धारा-34 के विशेष अभियानों में अमरोहा प्रदेश में प्रथम

अमरोहा (सब का सपना):- शासन के निदेर्शानुसार संचालित धारा-34 विशेष अभियान एवं भूमि संबंधी आईजीआरएस शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु विशेष अभियान में जनपद अमरोहा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के प्रभावी अनुश्रवण एवं अभियान के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई है। जिले ने अभियान

के अंतर्गत भूमि संबंधित आईजीआरएस प्रकरणों में जहां 100 प्रतिशत निस्तारण दर हासिल कर पेंडिंग मामलों को 'शून्य' कर दिया है, वहीं धारा-34 की प्रोग्रेस रिपोर्ट में भी 79.2 प्रतिशत की शानदार प्रगति के साथ पूरे राज्य में शीर्ष स्थान (नंबर वन) हासिल किया है। इस मामले में अमरोहा ने मुरादाबाद, गाजियाबाद और अलीगढ़ जैसे बड़े जनपदों को भी पछाड़ दिया है। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निर्देशन में दोनों विशेष अभियानों के सफल संचालन हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार की गई। धारा-34 विशेष अभियान के लंबित वादों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध, पारदर्शी एवं विधिसम्मत ढंग से निस्तारित कराने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक न्यायालय में प्रतिदिन अधिकतम संख्या में प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया गया तथा आदेश पारित होने के उपरांत राजस्व अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टियां तत्काल दर्ज कराने पर विशेष बल दिया गया, जिससे वादकारियों को निस्तारण का वास्तविक लाभ समय पर प्राप्त हो सके। वहीं भूमि संबंधी आईजीआरएस विशेष अभियान के अंतर्गत तहसीलवार माइक्रोप्लान तैयार कर टीमों का गठन किया गया। भूमि विवादों एवं विभिन्न श्रेणियों की भूमि संबंधी आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए स्पष्ट रणनीति अपनाई गई। अभियान अवधि में जिलाधिकारी द्वारा प्रतिदिन जूम मीटिंग के माध्यम से समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की गई तथा दैनिक मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रत्येक तहसील की प्रगति पर सतत निगरानी रखी गई। अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप दोनों अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ। धारा-34 विशेष अभियान 01 जून से 10 जुलाई 2026 तक संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत 45 दिवस से कम अवधि के लगभग 2,749 तथा 45 दिवस से अधिक अवधि के 499 वादों सहित कुल 3,248 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसी प्रकार 01 जून से 30 जून 2026 तक संचालित भूमि संबंधी आईजीआरएस विशेष अभियान के अंतर्गत 1,772 शिकायतों का शत प्रतिशत समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया गया। सतत समीक्षा, प्रभावी मॉनिटरिंग, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों के फलस्वरूप जनपद अमरोहा ने दोनों विशेष अभियानों में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश ने जनपद प्रशासन की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे प्रभावी प्रशासन, पारदर्शी कार्यसंस्कृति एवं समयबद्ध निस्तारण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीम की प्रतिबद्धता, अनुशासित कार्यशैली एवं जनहित के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य में भी शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप राजस्व वादों एवं भूमि संबंधी जनशिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध हो सके।

दिव्यांगजनों के लिए राज्य निधि से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा ने जानकारी देते हुए कहा निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दिव्यांगजनों को राज्य निधि मद से विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। लइच्छुक दिव्यांगजन अथवा संस्थाएं निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आवश्यक अभिलेखों सहित अपने प्रस्तावों की तीन प्रतियां कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, अमरोहा में एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि प्राप्त

प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई की जा सके।राज्य निधि के अंतर्गत प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं के आयोजन, खेल, ललित कला, संगीत, नृत्य, फिल्म, थिएटर एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगजनों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग हेतु सहायता, गंभीर दिव्यांगजनों के लिए हाई सपोर्ट नीड उपकरण, गंभीर बीमारियों से ग्रसित एवं आयुष्मान भारत अथवा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित न होने वाले दिव्यांगजनों के उपचार हेतु वित्तीय सहायता, शिक्षा एवं पुनर्वास से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम, विशेष विद्यालयों में विज्ञान, गणित एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं की स्थापना, खेल सुविधाओं के विकास तथा पुनर्वास से संबंधित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, कक्ष संख्या-18, जोया रोड, अमरोहा में संपर्क कर सकते हैं।

आज विकास भवन सभागार में आयोजित होगी महिला जनसुनवाई एवं जागरूकता चौपाल

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 25 जुलाई 2026 (शनिवार) को विकास भवन सभागार, अमरोहा में महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता चौपाल एवं महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना-पत्रों पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा जनसुनवाई की जाएगी।

साथ ही विगत माह में महिला उत्पीड़न से संबंधित घटनाओं एवं प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे।

सुरक्षित सफर, जिम्मेदार चालक के संदेश के साथ अमरोहा पुलिस का जागरूकता अभियान

एक दिन में 235 चालान, ओवरस्पीड पर 100 वाहन चालकों पर कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। शुक्रवार को यातायात पुलिस की टीमों ने शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर वाहन चालकों और राहगीरों को सड़क सुरक्षा के नियम समझाए। अभियान के दौरान सुरक्षित सफर, जिम्मेदार चालक का नारा बुलंद किया गया। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया चालकों से हेलमेट और चारपहिया चालकों से सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने की अपील की। इसके साथ ही ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का प्रयोग न करने, तेज गति से बचने, ओवरलोडिंग न करने और नशे की हालत में वाहन न चलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि जनपद में होने वाली अधिकांश दुर्घटनाओं का कारण लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी है। थोड़ी सी सावधानी से न केवल स्वयं की बल्कि अन्य लोगों की जान भी बचाई जा सकती है। जागरूकता के साथ-साथ प्रवर्तन भी किया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 235 चालान किए गए। इसमें 100 चालान ओवरस्पीड के काटे गए। कुल 5,95,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और अन्य उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। अमरोहा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि स्वयं एवं दूसरों के जीवन की सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। सुरक्षित वाहन चलाएं और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में पुलिस का सहयोग करें।

धनौरा क्षेत्र में उप गन्ना आयुक्त ने लिया सर्वे-सट्टा प्रदर्शन का जायजा,किसानों की समस्याओं का किया निस्तारण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में शुक्रवार को उप गन्ना आयुक्त ने सर्वे-सट्टा प्रदर्शन और फसलों के निरीक्षण के दौरान किसानों की समस्याओं का निस्तारण किया। इस दौरान किसानों को 63 बिंदुओं पर प्रदर्शित सूचनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई वहीं उनसे जुड़ी समस्याओं के निस्तारण पर उनके चेहरे खिल उठे। बता दें कि इस दौरान उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने वेब शुगर इंडस्ट्री चीनी मिल धनौरा के मुख्य महाप्रबंधक जगतवीर सिंह और गन्ना समिति सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ग्राम इंद्रपुर और पाखरपुर में आयोजित गन्ना सर्वे-सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण किया। किसानों को 63 बिंदुओं पर प्रदर्शित सूचनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।निरीक्षण के दौरान भूमि संबंधी प्राप्त तीन आपत्तियों का मौके पर ही समाधान किया गया। ग्राम इंद्रपुर में 40 से अधिक किसानों को उनकी कुल कृषि योग्य भूमि, पेड़ी-पौधा क्षेत्रफल, बेसिक कोटा और गन्ना पर्चियों के विवरण दिखाए गए। उप गन्ना आयुक्त ने किसानों से अपने विवरणों की जांच करने और त्रुटियों के सुधार के लिए समय रहते संबंधित गन्ना विकास परिषद या पर्यवेक्षक से संपर्क करने की अपील की, ताकि पेराई सत्र में कोई असुविधा न हो।किसानों को नए सदस्य और वारिस सदस्य बनने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम में वेव शुगर इंडस्ट्री के मुख्य महाप्रबंधक जगतवीर सिंह ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, ट्रेंच विधि, संतुलित पोषण और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से पैदावार बढ़ाने के गुर सिखाए। वहीं, गन्ना समिति सचिव ने सरकार द्वारा संचालित सुरक्षा बीमा और पेंशन योजनाओं की जानकारी दी। किसानों ने अपने विवरणों का सत्यापन कर अभिलेखों पर हस्ताक्षर किए।इसके बाद उप गन्ना आयुक्त ने ग्राम तोमड़ा में कृषक जगवीर सिंह और महिपाल सिंह द्वारा ट्रेंच विधि से बोई गई गन्ना प्रजाति उङ्क 0118 के खेतों का निरीक्षण किया और उनकी उत्कृष्ट फसल की सराहना की। इस अवसर पर प्रमोद कुमार, नरेंद्र कुमार, बृजमोहन सिंह, जयपाल सिंह, संजीव कुमार और अरुण कुमार सहित कई अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

धनौरा के ब्लॉक सभागार में भाकियू (असली) की मासिक पंचायत का आयोजन, गंगा एक्सप्रेसवे मुआवजे पर चर्चा व छात्रों पर लाठी चार्ज का विरोध

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक पंचायत का आयोजन कराया गया। बैठक में उपस्थित किसानों ने अपनी समस्याओं एवं छात्रों से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार विमर्श किया। वहीं किसानों ने शासन प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध भी जताया।बता दें कि इस दौरान मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर सरकार से कई प्रमुख मांगें रखीं। संगठन ने गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए अधिग्रहित की जा रही किसानों की भूमि का मुआवजा वर्तमान बाजार दर से कम से कम चार गुना देने की मांग की। इसके साथ ही, किसानों के आर्थिक हितों की अनदेखी करने वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को तत्काल रद्द करने की भी मांग की गई।बैठक में क्षेत्र के गन्ना किसानों के पिछले सभी बकाया भुगतान को जल्द से जल्द कराने पर भी विशेष जोर दिया गया।जिला प्रवक्ता नरेश चौधरी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर

रहे छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। किसान नेताओं ने केंद्र सरकार से छात्रों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग की।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह, जिला प्रवक्ता नरेश चौधरी, जसपाल उर्फ सोनू गिल, रामवीर सिंह, सुरेश यादव, जगदीश यादव, समरपाल सिंह, सतपाल सिंह, देशराज पालनपुर, पीतम सिंह, प्रदीप कुमार, जन्म सिंह, धर्मपाल सिंह, तेजपाल सिंह, अनवर अली, जावेद मलिक, योगेन्द्र सिंह, फतेह सिंह, ओमवीर सिंह, महकार गुर्जर, भूरे सिंह, नन्हे सिद्धू, चमन सिद्धू और सुखविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान और यूनियन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीट की दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा, कई अनियमितताएं मिलीं

सिरसी/संभल (सब का सपना): जनपद में प्राप्त शिकायत के आधार पर गुरुवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की प्रवर्तन टीम ने सिरसी कस्बे में विभिन्न मीट की दुकानों पर सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कई दुकानों पर नियमों का उल्लंघन और आवश्यक दस्तावेजों की कमी पाई गई। प्रवर्तन दल ने मोहल्ला सादक सराय स्थित यूनुस मीट शॉप, फैजान मीट शॉप, उस्मान मीट शॉप, फरदीन मीट शॉप और शोएब मीट शॉप सहित मोहल्ला गिन्नौरी में चाँद आलम, नौमान, अकरम, सुहैल व निहाल मीट शॉप तथा मोहल्ला चौधरियां में नफीस मीट शॉप और चाँद बाबू मीट शॉप का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानदार स्वास्थ्य प्रमाण पत्र सहित आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके अलावा लाइसेंस एवं पंजीकरण की शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा था। कुछ दुकानों का धार्मिक स्थलों से निर्धारित दूरी के नियम का पालन भी नहीं पाया गया। वहीं कई स्थानों पर साफ-सफाई की व्यवस्था भी असंतोषजनक मिली। खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित मीट विक्रेताओं को नोटिस जारी करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नोटिस का निर्धारित समय में अनुपालन नहीं करने पर संबंधित दुकानों के लाइसेंस या पंजीकरण के निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-क्क मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

बहजोई के निशानेबाजों की बुलंद उड़ान, राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जनपद के दो होनहार निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। मोहम्मद जुनैद ने स्वर्ण पदक और नीरज कुमार ने कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहाप मनवाया। वहीं देहरादून में आयोजित जसपाल राणा मेमोरियल कप ओपन शूटिंग प्रतियोगिता (प्री-नेशनल) में भी मोहम्मद जुनैद ने रजत पदक जीतकर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बहजोई लौटने पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी मुरादाबाद चंचल मिश्रा ने भी दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनकी सफलता की सराहना की और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। सम्मान समारोह में उप क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती, शूटिंग कोच मयंक कुमार, खो-खो कोच विक्की गुप्ता एवं प्रदीप सक्सेना भी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि संभल के युवा खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मोहम्मद जुनैद और नीरज कुमार पिछले लगभग एक वर्ष से बहजोई स्थित इंडोर शूटिंग रेंज में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। शूटिंग कोच मयंक कुमार के तकनीकी मार्गदर्शन, खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का ही परिणाम है कि दोनों ने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर जनपद संभल का नाम प्रदेश और देशभर में रोशन किया।

कस्बा झालू में गोकशी व भूमि कब्जे के आरोप, एसपी से शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना हल्दौर क्षेत्र के कस्बा झालू निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर को प्रार्थना-पत्र देकर कुछ लोगों पर गोकशी, भूमि कब्जाने, फर्जी मुकदमे दर्ज कराने तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना-पत्र के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि कुछ नामजद व्यक्ति लंबे समय से गोकशी और भूमि कब्जाने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। आरोप है कि विरोध करने वाले लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाने का प्रयास किया जाता है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि आरोपितों के विरुद्ध पूर्व में विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।
शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है
कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे।

बाल सुरक्षा को लेकर पुलिस की कार्यशाला, रिक्रूट आरक्षी विष्णु शंकर हुए सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी/नोडल अधिकारी मनोज कुमार रावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में बाल सुरक्षा एवं बाल अधिकारों से जुड़े विषयों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रभारी निरीक्षक एएचटी पवनवीर सिंह राणा, बाल कल्याण समिति के सदस्य गौरव शर्मा एवं नूतन चौधरी, महिला एवं बाल विकास विभाग से विशाल भटनागर, जिला प्रोबेशन कार्यालय से तेजपाल सिंह, प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों तथा जनपद के सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पॉक्सो अधिनियम, गुमशुदा बच्चों की खोज, अनैतिक व्यापार और भिक्षावृत्ति की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही ऑपरेशन रक्षा, मिशन शक्ति, ऑपरेशन मुस्कान, बाल श्रम उन्मूलन अभियान तथा बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और कन्या सुमंगला योजना सहित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लोगों तक उनका लाभ पहुंचाया जाए। कार्यशाला के दौरान थाना नखासा क्षेत्र में लावारिस अवस्था में मिले एक बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिलाने में सराहनीय भूमिका निभाने वाले नखासा थाने के रिक्रूट आरक्षी विष्णु शंकर को एनजीओ प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन) की ओर से अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत ने प्रतीक चिन्ह (ट्रॉफी) एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए इसे पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

आयुष्मान कार्ड निर्माण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा

सीएचसी स्योहारा में समीक्षा बैठक, सभी सीएचओ को शत-प्रतिशत पात्रों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में शुक्रवार को उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ओर आयुष्मान भारत योजना नोडल अधिकारी जनपद बिजनौर डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सभी 19 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ओर समस्त 9 संगिनी मौजूद रही।
बैठक के दौरान डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड हर हाल में बनाया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।
उन्होंने सभी सीएचओ को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर संपर्क कर पात्र लोगों का चिन्हांकन करें तथा समयबद्ध अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्ड निर्माण में आ रही समस्याओं का तत्काल समाधान कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।
बैठक में आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, लक्ष्य पूर्ति एवं पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग में अनुस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कारवाही के दिए निर्देश। 2हफ्ते का समय दिया गया कि शत प्रतिशत कार्ड बनवाए अन्यथा कारवाही की जाएगी। इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ 0बी 0के0 स्नेही ने बताया कि स्योहारा ब्लॉक में 29768 कार्ड बनाना शेष रह गए है। स्योहारा में 82258 आयुष्मान कार्ड लाभार्थी के सापेक्ष 51926 कार्ड बनाए जा चुके है जो कुल लाभार्थी का 63 प्रतिशत है। इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ बी 0के स्नेही, डॉ0 खालिद अख्तर, डॉ मीनाक्षी सिसोदिया,ए आर ओ आलोक कुमार, हैल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, बीपीएम शालिनी विश्नोई, डब्ल्यू एच ओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, डाटा ऑपरेटर अनम राशि फार्मासिस्ट प्रदीप रावत योगेश कुमार हरीश कुमार, जितेंद्र रावत के अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

संभल(सब का सपना):- आगामी श्रावण मास कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शुक्रवार को थाना असमोली क्षेत्र की मनौटा पुल पुलिस चौकी तथा थाना रजपुरा क्षेत्र की भोलेश्वर पुलिस चौकी अंतर्गत प्रमुख कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, पेयजल, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता एवं आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार गश्त, ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि जनपद प्रशासन और पुलिस श्रावण मास कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

धामपुर कोतवाली के मिलनसार सिपाही सुनील सिरोही को भावभीनी विदाई, मुरादाबाद के लिए हुए स्थानांतरित

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- निर्धारित सेवाकाल पूर्ण होने के उपरांत धामपुर कोतवाली में तैनात सिपाही सुनील सिरोही का स्थानांतरण मुरादाबाद जनपद के लिए कर दिया गया है। उनके स्थानांतरण की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग के अधिकारियों, सहकर्मियों, स्थानीय नागरिकों और शुभचिंतकों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
धामपुर में अपने कार्यकाल के दौरान सिपाही सुनील सिरोही ने अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और विनम्र व्यवहार से पुलिस विभाग ही नहीं, बल्कि आमजन के बीच भी एक अलग पहचान बनाई। उनका सहज, सरल और मिलनसार स्वभाव लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना गया। वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे और उनके समाधान के लिए सदैव तत्पर रहते थे।
सहकर्मियों के अनुसार सुनील सिरोही ने हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और लगन के साथ निभाया। समयपालन, ईमानदारी और जनता के प्रति सम्मान उनकी कार्यशैली की प्रमुख विशेषताएं रहीं। विभागीय अधिकारियों और साथी पुलिसकर्मियों के साथ उनके मधुर संबंधों ने कार्यस्थल पर बेहतर समन्वय और सकारात्मक माहौल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
सरकारी सेवा में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन कुछ अधिकारी और कर्मचारी अपने व्यवहार व कार्यशैली से ऐसी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जिन्हें लंबे समय तक याद किया जाता है। सिपाही सुनील सिरोही भी उन्हीं व्यक्तित्वों में शामिल हैं, जिन्होंने धामपुर में अपनी सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं से लोगों का विश्वास और स्नेह अर्जित किया।
विदाई के अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे मुरादाबाद जनपद में भी अपनी ईमानदारी, सेवा भावना और उत्कृष्ट कार्यशैली से विभाग तथा जनता का विश्वास पहले की तरह ही कायम रखेंगे। धामपुरवासियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सादगी, कर्मठता और आत्मीय व्यवहार को हमेशा याद रखा जाएगा।

नौकरी दिलाने के नाम पर अवैध तरीके से बंधक बनाकर नेटवर्क बनाने के मामले में पुलिस ने 9 को किया गिरफ्तार

7 मोबाइल,01 लैपटॉप, 20 एप्लीकेशन फॉर्म, स्टांप पेपर, 03 रजिस्टर,02 डायरी व 39500 रु.अन्य प्रपत्रों सहित बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला पुलिस ने लोगों को बहला फुसला कर नौकरी दिलाने के नाम पर अपने साथ जोड़कर अवैध तरीके से बंधक बनाकर नेटवर्क बनाने से संबंधित मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप ,20 एप्लीकेशन फॉर्म मय कुटरचित स्टांप पेपर के, 03 रजिस्टर, 02 डायरी व 39500 रुपए अन्य प्रपत्रों सहित बरामद किए हैं। बता दें कि इस मामले पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना गजरौला पर 24 जुलाई 2026 को सचिन पुत्र सुरेश सिंह निवासी सिरसखेड़ा थाना मुंडा पांडेय, जनपद मुरादाबाद के द्वारा लोगों को बहला फुसला कर नौकरी दिलाने का झांसा देकर रुपए एंठने से संबंधित एक तहरीर दी गई थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्यवाही करते हुए 16 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था। मुकदमा उपरोक्त से संबंधित बंधकों को मुक्त कराने एवं विवेचनात्मक कार्यवाही के लिए थाना गजरौला पर मौजूद वादी मुकदमा को साथ लेकर मय प्राइवेट वाहनों एवं पुलिस बल के साथ वादी के द्वारा बताए गए स्थान गांव गंगानगर से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से पुलिस ने 07 मोबाइल फोन ,01 लैपटॉप 20 एप्लीकेशन फॉर्म मय कुटरचित स्टांप पेपर के, 03 रजिस्टर,02 डायरी व 39500 रुपए नगद अन्य प्रपत्रों के साथ बरामद किए। पुलिस ने इस कार्रवाई के साथ-साथ उनके बंधन से 14 पीड़ितों को भी मुक्त कराया। इसके बाद पुलिस ने उक्त मुकदमे की धाराओं में बढ़ोत्तरी कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभिक्तों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह 'भारत एसोसिएट' नाम से कंपनी संचालित कर सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर अपने कार्यालय पर बुलाते थे। अभ्यर्थियों से रजिस्ट्रेशन एवं ट्रेनिंग के नाम पर 15 हजार से 30 हजार तक की धनराशि वसूली जाती थी। वहीं अभ्यर्थियों से ड्र100 के स्थान पर होगा हस्ताक्षर कराए जाते थे ताकि भविष्य में शिकायत करने पर उसका दुरुपयोग किया जा सके। इसके बाद उन्हें नौकरी देने की बजाय नेटवर्क मार्केटिंग मनी सकुर्लेशन स्कीम के तहत अन्य लोगों को जोड़ने एवं उनसे धनराशि जमा करने का प्रशिक्षण दिया जाता था, जो अभ्यर्थी इसका विरोध करते थे या अपने पैसे वापस मांगते थे तो उनके साथ मारपीट,धमकी ,मानसिक दबाव बनाकर उन्हें जबरन वही रोका जाता था तथा बाहरी लोगों से संपर्क नहीं करने दिया जाता था। पूछताछ एवं मौके से मुक्त कराए गए पीड़ितों के बयानों से स्पष्ट हुआ कि अभियुक्त सुनियोजित तरीके से युवाओं को नौकरी का झूठा सपना दिखाकर धोखाधड़ी करते थे ,अवैध नेटवर्क तैयार कर धन अर्जित करते थे तथा प्राप्त धनराशि का आपस में बंटवारा करते थे।

'एमी गोज' नाम से कंपनी बनाई, पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 2 करोड़ की ठगी, मोहाली पुलिस ने दो आरोपित किए गिरफ्तार

जीरकपुर । पैसा दोगुना करने का लालच देकर करीब दो करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान डेराबस्सी के गांव पंडवाला निवासी कुलबीर सिंह और बलविंदर सिंह के रूप में हुई है।दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। जांच अधिकारी के अनुसार, हरमिलाप नगर निवासी प्रदीप कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि नवंबर 2023 से जुलाई 2026 के बीच आरोपितों ने पैसा दोगुना करने का झांसा देकर उससे करीब दो करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपितों ने 'एमी गोज' नाम से एक कंपनी बनाई थी और 'एमी गोज एफएक्स' नाम का एक सॉफ्टवेयर तैयार किया था। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से निवेशकों को उनके निवेश पर डॉलर में लगातार बढ़ती रकम दिखाई जाती थी, जिससे वे अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित होते थे। बाद में आरोपियों ने निवेशकों की रकम हड़प ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान डेराबस्सी के गांव पंडवाला निवासी कुलबीर सिंह और बलविंदर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका, ठगी की कुल राशि और अन्य पीड़ितों के बारे में पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी कंपनी या व्यक्ति के झांसे में आकर निवेश करने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें और अवास्तविक मुनाफे के दावों से सतर्क रहें।

पंजाब सरकार की नई पहल: अब AI लेगा ड्राइविंग टेस्ट, HAMS तकनीक से चुटकी में मिलेगा लाइसेंस

चंडीगढ़। भारत में लगभग हर 4 मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में जान गवां देते है। हर साल दुनिया भर में लगभग 13.5 लाख लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो जाती है और लाखों लोग घायल होते हैं। इसलिए सुरक्षित ड्राइविंग और सही तरीके से लाइसेंस जारी करना बहुत जरूरी है। इसी ड्राइविंग सुरक्षा को लेकर पंजाब सरकार ने भी एक पहल की है जिससे ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए टेस्ट देने पहुंचे लोगों को अब सर्वर की खराबी के कारण घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पंजाब सरकार अक आधारित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (अऊळळ) सिस्टम विकसित और लागू कर रही है, ताकि ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट पूरी तरह स्वचालित, पारदर्शी और तेज हो सके। इस नई तकनीक का नाम ऌअटर (हारनेसिंग ऑटोमोबाइल फॉर सेफ्टी) है। क्या है हार्नेसिंग ऑटोमोबाइल फॉर सेफ्टी तकनीक? इस तकनीक में आवेदक की पहचान आइरिस स्कैन, फेस स्कैन और बायोमेट्रिक से की जाएगी। वहीं, कैमरे और सेंसर गाड़ी चलाने के तरीके पर नजर रखेंगे और अकअपने आप अंक देगा। इसका मकसद ड्राइविंग टेस्ट में मानवीय हस्तक्षेप को कम करना, धोखाधड़ी रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि टेस्ट वही व्यक्ति दे जिसने आवेदन किया है। इससे ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया तेज, आसान और निष्पक्ष बनेगी। अकआधारित ऌअटर (हारनेसिंग ऑटोमोबाइल फॉर सेफ्टी) सिस्टम में सबसे पहले आवेदक की पहचान फेस स्कैन, आइरिस स्कैन और बायोमेट्रिक के जरिए की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि टेस्ट वही व्यक्ति दे रहा है जिसने आवेदन किया है। इसके बाद वाहन ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर चलता है, जहां लगे कैमरे, सेंसर और अकतकनीक वाहन की हर गतिविधि पर नजर रखते हैं। सिस्टम लेन बदलने, पार्किंग, वाहन नियंत्रण, स्पीड और अन्य ड्राइविंग नियमों का खुद ही मूल्यांकन करता है। टेस्ट पूरा होने पर अकतुरंत अंक देकर पास या फेल का परिणाम जारी करता है।

पंजाब में तीन दिन थमेंगे रोडवेज के पहिए! 7 हजार कर्मचारी हड़ताल पर, 2200 बसों नहीं उतरेंगी सड़कों पर

चंडीगढ़। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन (25/11) ने राज्य सरकार पर परिवहन विभाग की अनदेखी और कर्मचारियों से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में यूनियन नेताओं ने कहा कि यदि विभाग व मौजूदा राज्य सरकार ने जल्द समाधान नहीं निकाला तो 3 से 5 अगस्त तक प्रदेशव्यापी चक्का जाम किया जाएगा। साथ ही परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री के आवास के बाहर धरना तथा मानसून सत्र के दौरान भूख हड़ताल भी की जाएगी। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रेशम सिंह गिल ने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने और ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने का वादा उनसे किया था, लेकिन चार वर्ष से अधिक समय और करीब 70 बैठकों के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदारी व्यवस्था के कारण कर्मचारियों का शोषण हो रहा है तथा ईपीएफ और ईएसआई के नाम पर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश महासचिव शमशेर सिंह ढिल्लों और वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरकेश कुमार विक्की ने आरोप लगाया कि सरकार किलोमीटर स्कीम के माध्यम से परिवहन विभाग का निजीकरण कर रही है। उनका कहना था कि स्पेयर पार्ट्स, टायर और बैटरियों की कमी का हवाला देकर करीब 400 साधारण और 35 वॉल्वो बसें खड़ी रखी गई हैं, जिससे प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख किलोमीटर परिचालन प्रभावित हो रहा है और निजी बसों को लाभ मिल रहा है। यूनियन नेताओं ने बताया कि 24 जून की बैठक में सरकार ने 10 दिन में समाधान का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने घोषणा की कि 27 जुलाई को सभी डिपो पर गेट रैलियां होंगी, जबकि 3, 4 और 5 अगस्त को तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी। मांगें पूरी नहीं होने और गिरफ्तार साथियों पर दर्ज मामलों को वापस न लेने पर आंदोलन को अनिश्चितकालीन करने तथा सरकार की राजनीतिक रैलियों के बहिष्कार की भी चेतावनी दी गई। प्रधान रेशम सिंह गिल ने कहा कि सरकार ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है।

बलिदान होकर भी छह लोगों में जिंदा रहेंगे नायब रिसालदार वीरेंद्र सिंह, अंगदान से बनी मिसाल; पत्नी के साहिसिक निर्णय को सलाम

चंडीगढ़। भारतीय सेना के नायब रिसालदार वीरेंद्र सिंह ने देश की सेवा करते हुए जीवन तो गंवाया, लेकिन अपने अंगदान के जरिए छह लोगों को नई जिंदगी देकर मानवता की ऐसी मिसाल कायम की, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। लद्दाख में 16 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात वीरेंद्र सिंह को ड्यूटी के दौरान अचानक ब्रेन स्ट्रोक आया। सेना की मेडिकल टीम ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया और उन्हें एयरलिफ्ट कर 16 जुलाई को चंडीमंदिर स्थित कमांड अस्पताल (वेस्टर्न कमांड) लाया गया। कई दिनों तक डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन 21 जुलाई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित करना पड़ा। सबसे भावुक क्षण तब आया, जब उनकी पत्नी कुसुम ने अपने पति के अंगदान का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद उनके दोनों गुर्दे, लीवर, दोनों फेफड़े और दोनों कॉर्निया सुरक्षित निकालकर जरूरतमंद मरीजों के प्रत्यारोपण के लिए भेजे गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय छह परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है, जिन्हें अब जीवनदान मिल सकेगा। कमांड अस्पताल (वेस्टर्न कमांड) के इतिहास में यह पहली बार है, जब सफलतापूर्वक फेफड़ों को प्रत्यारोपण के लिए सुरक्षित निकाला गया। इसे अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि माना जा रहा है। सभी अंगों का आवंटन राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण नेटवर्क के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया। एक किडनी और दोनों कॉर्निया का प्रत्यारोपण कमांड अस्पताल में ही किया गया। दूसरी किडनी हरियाणा के स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) को भेजी गई। वहीं लीवर को नई दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) और दोनों फेफड़ों को हैदराबाद के किम्स अस्पताल पहुंचाया गया। अंगों को निर्धारित समय के भीतर विभिन्न अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए सेना, सैन्य पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों ने मिलकर ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इस समन्वय के कारण सभी अंग समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की जा सकी। भारतीय सेना ने नायब रिसालदार वीरेंद्र सिंह के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनकी पत्नी कुसुम के साहस और संवेदनशील निर्णय की सराहना की। सेना ने कहा कि यह केवल अंगदान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च उदाहरण है। वीरेंद्र सिंह भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके दान किए गए अंग छह लोगों के शरीर में धड़कते हुए उनकी स्मृतियों और सेवा भावना को हमेशा जीवित रखेंगे।

पंजाब: 'सीएम सेहत योजना' बनी कैंसर मरीजों का सहारा, 20 करोड़ 22 लाख रुपये का कैशलेस इलाज; जून में सबसे ज्यादा उपचार

पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 8069 कैंसर मरीजों के इलाज पर 20.22 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस योजना से 36 से 60 वर्ष आयु वर्ग के सर्वाधिक मरीज लाभान्वित हुए, जून में सबसे अधिक उपचार हुए।

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 8069 कैंसर मरीजों के इलाज पर 20.22 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लाभार्थियों में आधे से अधिक मरीज 36 से 60 वर्ष आयु वर्ग के हैं। जून महीने में सबसे अधिक मरीजों का उपचार किया गया। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए), पंजाब द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 18 जुलाई 2026 तक मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 8069 कैंसर मरीजों को कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया गया, जिस पर सरकार ने कुल 20.22 करोड़ रुपये खर्च किए। इन आंकड़ों के पीछे हजारों ऐसे परिवार हैं, जिन्हें जीवन के सबसे कठिन दौर में महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ते हैं। जब इलाज में होने वाली हर देरी मरीज के जीवन पर भारी पड़ सकती है। आज कैंसर के उपचार में सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी

तथा टार्गेटेड थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों ने मरीजों के स्वस्थ होने की संभावनाओं को पहले की तुलना में काफी बढ़ा दिया है। लेकिन चिकित्सा में हुई यह प्रगति तभी सार्थक है, जब मरीज समय पर उपचार तक पहुंच सके। चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 8069 कैंसर मरीजों के इलाज पर 20.22 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लाभार्थियों में आधे से अधिक मरीज 36 से 60 वर्ष आयु वर्ग के हैं। जून महीने में सबसे अधिक मरीजों का उपचार किया गया। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए), पंजाब द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 18 जुलाई 2026 तक मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 8069 कैंसर मरीजों को कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया गया, जिस पर सरकार ने कुल 20.22 करोड़ रुपये खर्च किए।

इन आंकड़ों के पीछे हजारों ऐसे परिवार हैं, जिन्हें जीवन के सबसे कठिन दौर में महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ते हैं। जब इलाज में होने वाली हर देरी मरीज के जीवन पर भारी पड़ सकती है।

आज कैंसर के उपचार में सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी तथा टार्गेटेड थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों ने मरीजों के स्वस्थ होने की संभावनाओं को पहले की तुलना में काफी बढ़ा दिया है। लेकिन चिकित्सा में हुई यह प्रगति तभी सार्थक है, जब मरीज समय पर उपचार तक पहुंच सके।

जिला अस्पताल में 16 नवजात बेटियों का मनाया गया जन्मोत्सव

बिजनौर (सब का सपना):- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को जिला महिला अस्पताल, बिजनौर में नवजात कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल में जन्मी 16 नवजात बालिकाओं का स्वागत उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने नवजात बालिकाओं की माताओं को बेबी किट, उपहार, मिठाई एवं शुभकामना पत्र भेंट कर उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि बेटियाँ समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं और आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर, बेहतर शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं बेटियों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित महिला एवं बाल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र परिवारों से उनका लाभ उठाने का आह्वान किया। जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. प्रभा रानी ने नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, नियमित टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और छह माह तक केवल स्तनपान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन माताओं एवं नवजात शिशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने केक काटकर नवजात बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया।

पूरे अस्पताल परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और सभी ने नवजात बेटियों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान महिला कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी तथा नवजात बालिकाओं के परिजन उपस्थित रहे।

मोहाली में गमाडा की जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया में बदलाव, ड्रोन करेगा हर इंच की निगरानी; मुआवजे के विवाद होंगे कम

मोहाली। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की विकास परियोजनाओं में अब जमीन अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया पहले से अधिक पारदर्शी और तकनीक आधारित होगी। गमाडा की नई गाइडलाइन के मुताबिक अधिग्रहित होने वाली जमीन पर मौजूद मकान, पेड़, बाग, ट्यूबवेल और अन्य अचल संपत्तियों का रिकॉर्ड अब ड्रोन सर्वे के जरिए तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य मुआवजे के आकलन में पारदर्शिता लाना, विवाद कम करना और विकास परियोजनाओं में तेजी सुनिश्चित करना है। यह नई व्यवस्था गमाडा की सभी मौजूदा और भविष्य की भूमि अधिग्रहण आधारित परियोजनाओं पर लागू होगी। इनमें एयरोट्रोपोलिस, ईको सिटी-3, लो डेंसिटी और हाई डेंसिटी जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं भी शामिल हैं, जहां हजारों एकड़ भूमि पर विकास कार्य प्रस्तावित हैं। अब तक अधिग्रहित भूमि पर बने मकानों, पेड़ों और अन्य स्थायी संपत्तियों के मूल्यांकन को लेकर कई बार विवाद और देरी की स्थिति बनती रही है। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए सरकार ने तय किया है कि गमाडा का मुख्य अभियंता बाहरी एजेंसी से ड्रोन सर्वे करवाएगा। अधिग्रहण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में ड्रोन से ली गई तस्वीरों और डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर प्रत्येक संपत्ति का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। अधिकारी करेंगे सर्वे रिपोर्ट का सत्यापन इसके बाद गमाडा के बागवानी, सिविल और पब्लिक हेल्थ विंग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समिति सर्वे रिपोर्ट का सत्यापन करेगी। अंतिम मूल्यांकन संबंधित विभागों से कराया जाएगा। भवनों का मूल्यांकन लोक निर्माण विभाग, ट्यूबवेल और पाइपलाइन का सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, फलदार पेड़ों और बागों का बागवानी विभाग तथा अन्य पेड़ों का वन विभाग करेगा। इससे मुआवजा तय करने की प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष और भरोसेमंद बनने की उम्मीद है। विकास कार्य को तीन वर्ष के भीतर करना होगा पूरा सरकार द्वारा गमाडा को यह निर्देश दिए हैं कि जमीन का अवॉर्ड और कब्जा मिलने के बाद विकास कार्यों को तीन वर्ष के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जाए। इसके लिए मुख्य प्रशासक नियमित रूप से परियोजनाओं की निगरानी करेंगे ताकि अनावश्यक देरी न हो। नई गाइडलाइन का एक अहम पहलू प्रभावित गांवों को भी राहत देना है। विकास योजनाओं के दौरान सरकारी स्कूल, पंचायत घर, डिस्पेंसरी और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को यथासंभव सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही गांवों की सीवरेज, पेयजल और ड्रेनेज व्यवस्था को गमाडा के शहरी नेटवर्क से जोड़ने तथा गांवों की सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे के उन्नयन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

मालन नदी में तैरता मिला शव, मौके पर जुटी लोगों की भीड़

बिजनौर/नजीबाबाद (सब का सपना):- हरिद्वार रोड स्थित मालन नदी में शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को नदी में तैरता देख स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

अमृतसर-बांद्रा एक्सप्रेस 25 जुलाई तक रद; पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ क्षेत्र के यात्रियों को होगी परेशानी

चंडीगढ़। गुजरात में भारी बारिश के कारण पुल संख्या-203 पर जलस्तर खतरनाक स्थिति में पहुंचने के बाद रेलवे ने एहतियात के तौर पर कई लंबी दूरी की

ट्रेनों को रद कर दिया है। उत्तर रेलवे की ओर से जारी ऑपरेटिंग बुलेटिन के अनुसार ट्रेन संचालन की सुरक्षा को देखते हुए इस मार्ग पर रेल यातायात अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। रेलवे बुलेटिन के मुताबिक 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस भी 25 जुलाई को रेक उपलब्ध न होने के कारण रद रहेगी। इस ट्रेनके रद होने से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ क्षेत्र के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने बताया कि पुल संख्या-203 के पास जलस्तर बढ़ने के कारण ट्रेनों का संचालन सुरक्षित नहीं माना गया। इसी वजह से कई अन्य ट्रेनों को भी पूर्ण रूप से रद किया गया है। इनमें बांद्रा-वडोदरा, बांद्रा-भगत की कोठी, हापा-मुंबई सेंट्रल, नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल, उदयपुर-बांद्रा, अहमदाबाद-बांद्रा, महुवा-बांद्रा, भावनगर-बांद्रा, पोरबंदर-कोचुवेली और बांद्रा-जयपुर सहित कई ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (15067) को बीच रास्ते में शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है, जबकि इसकी वापसी सेवा 15068 का संचालन भी आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की पुष्टि अवश्य कर लें। मौसम सामान्य होने और जलस्तर कम होने के बाद ही प्रभावित मार्ग पर ट्रेनों का संचालन बहाल किया जाएगा।

31 जुलाई को होगी चंडीगढ़ निगम सदन की बैठक, विकास प्रस्तावों के साथ पेपर लीक मुद्दे पर हंगामे के आसार

चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ के सदन की आम बैठक 31 जुलाई को होगी। निगम सचिवालय ने बैठक का औपचारिक नोटिस जारी कर दिया है। बैठक में शहर के विकास, वित्तीय मामलों और जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेंडे रखे जाएंगे, जिन पर पार्षदों के बीच चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। इस बार भी बैठक के हंगामेदार रहने के आसार हैं, क्योंकि विकास कार्यों के साथ-साथ राजनीतिक मुद्दे भी सदन में छाए रहेंगे। बैठक में घंटों के हिसाब से पार्किंग शुल्क तय करने का प्रस्ताव एक बार फिर सदन के सामने आ सकता है। इससे पहले यह प्रस्ताव चर्चा के बाद स्थगित कर दिया गया था। निगम अधिकारियों का तर्क है कि प्रति घंटे की पार्किंग व्यवस्था लागू होने से

पार्किंग स्थलों का बेहतर उपयोग होगा और लंबे समय तक वाहन खड़े रहने की समस्या कम होगी। हालांकि विपक्षी पार्षद पहले भी इस प्रस्ताव पर आपत्ति जता चुके हैं और शुल्क संरचना को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। इसके अलावा सड़कों के रखरखाव, सफाई व्यवस्था, सीवरेज व ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के विकास, विभिन्न विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी सहित कई प्रस्ताव सदन के समक्ष रखे जाएंगे। वार्डों से जुड़े विकास कार्यों के एजेंडे पर भी चर्चा होने की संभावना है। राजनीतिक रूप से भी यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पार्षद हाल ही में सामने आए पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले सदन और मेयर को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने की मांग कर सकता है। वहीं भाजपा भी विपक्ष के आरोपों का जवाब देने और पलटवार की रणनीति के साथ सदन में उतरने की तैयारी कर चुकी है। ऐसे में बैठक के दौरान तीखी बहस और हंगामे की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्ष शहर की सफाई व्यवस्था, पार्किंग नीति, वेंडिंग जोन, लंबित विकास कार्यों और निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठा सकता है। वहीं सत्तापक्ष विकास कार्यों और नगर निगम की उपलब्धियों को गिनाकर विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की कोशिश करेगा। 31 जुलाई की इस बैठक में लिए जाने वाले कई फैसलों का सीधा असर शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं पर पड़ने की उम्मीद है। इसलिए निगम सदन की इस बैठक पर पार्षदों के साथ-साथ शहरवासियों की भी नजर रहेगी।

मोहाली के 16 गांवों में निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक, वन भूमि का होगा सीमांकन; पंजाब सरकार को दिया 6 हफ्ते का समय

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ के आसपास के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में वन भूमि की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कोर्ट ने मोहाली जिले के 16 गांवों में सभी प्रकार की निर्माण और विकास गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायाधीश रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 2014 में दिए गए निर्देशों के बावजूद पंजाब सरकार ने आज तक संबंधित क्षेत्रों की वन भूमि का सीमांकन नहीं किया, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाईकोर्ट ने कहा कि करोरां, नाडा, परछ, सुंक, माजरियां, छोटी बड़ी नागल, परोल, सिसवां, पल्लनपुर, सैनी माजरा, दुलवां, बुराना, गोचर, मिजार्पुर, तारापुर और सुल्तानपुर गांवों की भूमि राजस्व अभिलेखों में प्रथम दृष्टया वन भूमि के रूप में दर्ज है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप इसका विधिवत सीमांकन नहीं किया गया। इस कारण इन गांवों में किसी भी प्रकार के निर्माण, विकास, भूमि हस्तांतरण या जीपीए, पीओए आदि

के माध्यम से संपत्ति के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। खंडपीठ ने कहा कि यह क्षेत्र शिवालिक की तलहटी में स्थित अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र है। अदालत ने टिप्पणी की कि जिस प्रकार इस क्षेत्र का व्यावसायीकरण हो रहा है और जंगलों के संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, वह न केवल पंजाब भूमि संरक्षण अधिनियम, 1900 की भावना के विपरीत है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में राज्य की विफलता भी दशार्ता है। अदालत ने पंजाब के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे वन एवं राजस्व अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित करें, जिसका नेतृत्व मुख्य वन संरक्षक करेंगे। यह टीम छह सप्ताह के भीतर वर्ष 1980 में वन (संरक्षण) अधिनियम लागू होने के समय उपलब्ध राजस्व अभिलेखों के आधार पर वास्तविक वन भूमि की पहचान करेगी। मुख्य सचिव को एक सप्ताह के भीतर संबंधित गांवों के सभी राजस्व अभिलेखों की प्रतियां हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा कराने और सीमांकन प्रक्रिया पूरी होने तक राजस्व रिकार्ड में किसी भी नई म्यूटेशन प्रविष्टि न करने का निर्देश दिया गया है। अगली सुनवाई 14 सितंबर 2026 को होगी, जिसमें मोहाली के उपायुक्त को संबंधित रिकॉर्ड सहित व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शनिवार 25 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

जेपी विद्या मंदिर की अंतर-सदन प्रतियोगिताओं में यमुना हाउस अव्वल

अनूपशहर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जेपी विद्या मंदिर सिटी कैंपस में आयोजित वर्षभर की विभिन्न अंतर-सदन प्रतियोगिताओं के विजेता सदनों को सम्मानित किया गया। नृत्य, गायन, वादन, खेल, श्लोक गायन, मेहंदी, बोर्ड सज्जा, लेखन, पेंटिंग, कहानी, फैंसी ड्रेस, वाद-विवाद, आशु भाषण, भाषण एवं साइकिल रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यमुना हाउस ने प्रथम, सतलज हाउस ने द्वितीय तथा कावेरी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या नीना चतुर्वेदी ने कहा कि अंतर-सदन प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। उन्होंने विजेता सदनों को सम्मानित कर बधाई दी तथा सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन गतिविधि समन्वयक नीलम सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नरौरा गंगा बैराज से 48653 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज: राजघाट गंगा का जलस्तर बढा

डिबाई/ बुलंदशहर (सब का सपना):- श्रावण मास और कावड़ यात्रा के कारण राजघाट गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। नरौरा स्थित चौधरी चरण सिंह गंगा बैराज से शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 को सुबह 6:00 बजे 48,653 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 1.285 मीटर नीचे है।बैराज से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, खतरे का स्तर 178.765 मीटर (2,50,000 क्यूसेक) निर्धारित है। शुक्रवार सुबह डाउनस्ट्रीम में वर्तमान जलस्तर 177.48 मीटर दर्ज किया गया। आज कोई बारिश दर्ज नहीं की गई है। सिंचाई विभाग ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है, हालांकि जलस्तर में वृद्धि के कारण प्रशासन सतर्क है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नरौरा पुलिस प्रशासन ने राजघाट क्षेत्र में गंगा किनारे स्नान करने आए श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने गहरे पानी में न जाने, बच्चों का विशेष ध्यान रखने और निर्धारित घाटों पर ही स्नान करने का आग्रह किया है। कावड़ियों से भी बैराज के पास सेल्फी लेने या नदी में उतरने से बचने का अनुरोध किया गया है।अधिकारियों ने बताया कि मानसून को देखते हुए बैराज और निचले इलाकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। नदी किनारे रहने वाले लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने की अपील की गई है।

सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश, विद्युत पोल शिफ्टिंग व वृक्ष कटान समयबद्ध पूरा करें:- डीएम

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट में लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत पोलों की शिफ्टिंग और मार्ग में बाधा बन रहे वृक्षों के कटान की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने बताया कि जनपद में 14 महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। कई स्थानों पर विद्युत पोल और वृक्षों के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि पोल शिफ्टिंग एवं वृक्ष कटान के लिए आवश्यक धनराशि संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने वन एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग के साथ संयुक्त भ्रमण कर जहां आवश्यकता हो वहां शीघ्र वृक्षों का कटान और विद्युत पोलों की शिफ्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वृक्ष कटान के दौरान विद्युत शटडाउन लेने के लिए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं, ताकि सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण परियोजनाओं में किसी प्रकार की देरी न हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी निशा ग्रेवाल, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राहुल शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसएसपी ने शुक्रवार परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

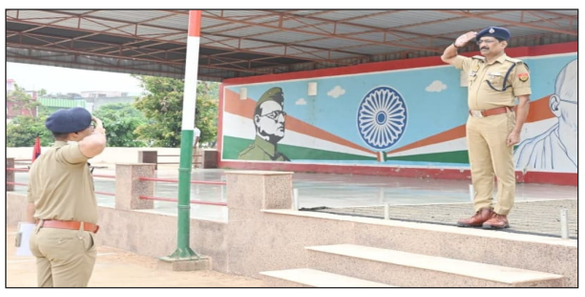

बुलन्दशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस कर्मियों का टर्नआउट, शस्त्र संचालन, अग्निशामक यंत्रों के प्रयोग का अभ्यास कराया गया तथा पीआरवी/डायल-112 वाहनों का निरीक्षण कर मेडिकल किट, नाइट चेकिंग रजिस्टर और रिस्पांस टाइम में सुधार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बाद में आदेश कक्ष में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर पुलिस लाइन परिसर की स्वच्छता, सरकारी संपत्ति के रखरखाव एवं वाहनों के नियमित रखरखाव के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय भी मौजूद रहे।

वैज्ञानिक अनुसंधान प्रतियोगिता में बुलंदशहर के उपनिरीक्षक शारिक बैग बने अव्वल

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र व मेडल देकर किया सम्मानित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस की 69वीं वार्षिक वैज्ञानिक अनुसंधान, पुलिस फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डॉग स्क्वाड, कम्प्यूटर एवं एंटी सबोटाज प्रतियोगिता-2026 में बुलंदशहर के उपनिरीक्षक शारिक बैग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने फोटोग्राफी विवेचक तथा प्रदर्शों की पैकिंग, लेबलिंग एवं फारवर्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम तथा क्राइम इन्वेस्टिगेशन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस कार्यालय में उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाए दी।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस: हेपेटाइटिस से जुड़े मिथकों को तोड़ें, समय रहते कराएं जांच

बुलन्दशहर (सब का सपना):- हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच व इलाज के लिए प्रेरित करना है। हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर (जिगर) में सूजन आ जाती है। कई बार इसके शुरूआती लक्षण दिखाई नहीं देते, इसलिए इसे "साइलेंट डिजीज" भी कहा जाता है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के सीनियर डायरेक्टर झ्र गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एवं एंडोस्कोपी, डॉ. संजय कुमार ने बताया, "अक्सर लोग सोचते हैं कि हेपेटाइटिस केवल गंदा खाना या दूषित पानी खाने-पीने से होता है, जबकि यह पूरी तरह सही नहीं है। हेपेटाइटिस अ और ए दूषित भोजन और पानी से फैलते हैं, लेकिन हेपेटाइटिस इ और उ संक्रमित खून, असुरक्षित सुई और असुरक्षित यौन संबंधों के कारण भी हो सकते हैं। फैटी लिवर, शराब का अधिक सेवन और कुछ दवाइयां भी लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। शुरूआती चरण में मरीज को केवल थकान, कमजोरी, भूख कम लगना या हल्का बुखार महसूस हो सकता है। बीमारी बढ़ने पर पीलिया, गहरे रंग का पेशाब, उल्टी और पेट में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसलिए समय पर जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉ. कुमार ने कहा, "यह धारणा भी गलत है कि हेपेटाइटिस का इलाज संभव नहीं है। अधिकांश मरीज सही इलाज और देखभाल से पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। वहीं, लंबे समय तक रहने वाले हेपेटाइटिस इ और उ का इलाज दवाइयों से किया जाता है। गंभीर मामलों में लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत भी पड़ सकती है। साफ पानी और स्वच्छ भोजन का सेवन करें, शराब से बचें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, संक्रमित सुई या रेजर साझा न करें और हेपेटाइटिस इ का टीका जरूर लगवाएं। सही जानकारी, समय पर जांच और उचित इलाज से हेपेटाइटिस से होने वाली गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

अब दिल्ली में सड़कों की मरम्मत करने वालों को पहननी होगी खास जैकेट, पीडब्ल्यूडी के इस आदेश से क्या बदलेगा?

नई दिल्ली। राजधानी में सड़कों के रखरखाव और मरम्मत कार्य में लगे कर्मचारियों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नई व्यवस्था लागू की है। अब पीडब्ल्यूडी के सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए विभागीय जैकेट पहनना अनिवार्य होगा। वहीं, निजी एजेंसियों और ठेका कंपनियों के माध्यम से कार्य कर रहे कर्मचारियों को भी ऐसी जैकेट पहननी होगी, जिस पर उनकी कंपनी के नाम के साथ प्रमुखता से पीडब्ल्यूडी अंकित रहेगा। सरकारी और निजी कर्मियों की स्पष्ट पहचान विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से सड़क पर काम कर रहे कर्मचारियों की पहचान करना आसान होगा। कई बार आम नागरिकों के साथ विभागीय अधिकारियों को भी यह समझने में कठिनाई होती है कि सड़क पर कार्य कर रहे कर्मचारी पीडब्ल्यूडी के हैं या किसी निजी एजेंसी के हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद सरकारी और निजी दोनों श्रेणी के कर्मचारियों की पहचान भी तुरंत हो सकेगी। जवाबदेही बढ़ाने पर रहेगा जोर अधिकारियों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य केवल कर्मचारियों की पहचान तय करना ही नहीं, बल्कि कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ाना है। यदि किसी सड़क पर मरम्मत या रखरखाव कार्य की गुणवत्ता अथवा प्रगति को लेकर शिकायत सामने आती है, तो मौके पर मौजूद कर्मचारियों और संबंधित एजेंसी की पहचान आसानी से की जा सकेगी। पीडब्ल्यूडी के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़कें हैं, इन का विभिन्न निजी एजेंसियों द्वारा रखरखाव किया जाता है।

सीजेपी के प्रदर्शन में घायल एसीपी बोले- 100 से ज्यादा उपद्रवियों ने बोला हमला; पत्थर और लात-घूंसों से मारा

नई दिल्ली। विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने गुरुवार को अस्पताल पहुंचकर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों के हमले में घायल पुलिस अधिकारियों व जवानों का हाल पूछा। एसीपी व कॉन्स्टबलों को पत्थर मारे, लात-घूंसों से पीटा हमले में घायल एसीपी विवेक भगत ने बताया कि बुधवार को उनकी ड्यूटी जंतर-मंतर पर थी। उन्होंने बताया कि रात करीब 8 बजे 100 से अधिक उपद्रवियों ने उन्हें और दो अन्य हेड कॉन्स्टेबलों को घेर लिया। पहले उन लोगों पर पानी फेंका गया। विरोध करने पर उपद्रवियों ने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया और लात-घूंसों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। एसीपी के माथे पर लगा पत्थर बुधवार शाम करीब 4:30 बजे उपद्रवियों में से एक ने संसद मार्ग पर तैनात एसीपी जय प्रकाश के माथे पर पत्थर मारा, जिससे से खून बहने लगा। मेरे सिर में मामूली फ्रैक्चर है। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने इंस्पेक्टर को घेर कर पीटा बुधवार रात जंतर-मंतर के पास प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह पर हमला कर दिया। 100-150 लोगों की भीड़ ने उन्हें घेरकर लाठियों, डंडों, पत्थरों और नुकीली चीजों से उन पर हमला किया।

नालों की सफाई का ईओ ने किया निरीक्षण

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद की ईओ नीतू सिंह द्वारा जहांगीराबाद चुंगी के आसपास नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था, अतिक्रमण, कांवड़ यात्रा मार्ग की स्वच्छता एवं समग्र व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। ईओ ने सफाई कर्मचारियों को नालों की समयबद्ध एवं प्रभावी सफाई करने के निर्देश दिए, जिससे कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्वच्छता एवं सुगम आवागमन बनाए रखा जा सके। निरीक्षण के दौरान ईओ ने सड़क एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमणकारियों को तत्काल अतिक्रमण हटाने की चेतावनी देते हुए कहा कि सार्वजनिक मार्गों एवं नालों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा।

बिना इंटरनेट कैसे हो रही जंतर-मंतर पर चैटिंग? वायरल हुए जेन जेड के प्रोटेस्ट सर्वाइवल टिप्स

नई दिल्ली। जंतर- मंतर पर नीट धांधली के विरोध में प्रदर्शन कर रहे काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच लगातार तीखी झड़प जारी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अड़े प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा है। इस बीच इंटरनेट मीडिया पर जेन जी के प्रोटेस्ट सर्वाइवल टिप्स की बाढ़ आ गई है। इंटरनेट शटडाउन और पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए छात्र तकनीक और घरेलू नुस्खों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं और इस संबंध में एक- दूसरे को बता भी रहे है। एक दूसरे को कैसे संपर्क कर पा रहे प्रदर्शनकारी बार-बार ठप हो रहे मोबाइल नेटवर्क से निपटने के लिए प्रदर्शनकारी ऑफलाइन मैप्स और ब्लूटूथ-आधारित मैसेजिंग ऐप्स डाउनलोड कर रहे हैं, जो बिना वाइ-फाइ या डेटा के काम करते हैं। इसके अलावा क्लाउड-फ्री लोकल- रन लार्ज लैंग्वेज माडल्स और संचार उपकरणों की मदद ली जा रही है ताकि नेटवर्क बंद होने पर भी संपर्क बना रहे। आपात स्थिति के लिए विरोध स्थल के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों के संपर्क नंबर भी सहेजे जा रहे हैं। सुरक्षा और सुरक्षा बलों की कार्रवाई से बचाव के लिए कई अनूठे उपाय अपनाए जा रहे हैं। आंसू गैस की जलन से राहत पाने के लिए प्रदर्शनकारी पानी और एंटासिड का बराबर मिश्रण इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, आंखों और सांस की सुरक्षा के लिए पेंटर मास्क और सुरक्षा चश्मे पहने जा रहे हैं। प्रदर्शन में टिके रहने की सलाह पुलिस लाठीचार्ज के असर को कम करने के लिए प्रदर्शनकारी जींस के अंदर थर्मोकोल की शीट लगा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कपड़े फटने जैसी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त शर्ट व कुर्ते और सिर की सुरक्षा के लिए हेलमेट भी साथ रखने की सलाह दे रहे है। सोमवार को हुए संसद मार्च के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच हुई झड़प के बाद युवा प्रदर्शनकारी अब इंटरनेट मीडिया और व्यावहारिक तरीकों से आ रहे प्रदर्शनकारी छात्रों को पूरी तैयारी के साथ आने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

मानसून में जलभराव से निपटने के लिए एमसीडी की सख्ती, नालों में कूड़ा फेंकने पर अब लगेगा जुमार्ना

पूर्वी दिल्ली। मानसून की शुरूआती बारिश से हुए जलभराव और नालों के ओवरफ्लो की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए एमसीडी ने यमुनापार में तैयारियों की समीक्षा तेज कर दी है। इसी क्रम में निगम आयुक्त संजीव खिरवार ने उत्तरी-पूर्वी जोन के भजनपुरा ड्रेन का निरीक्षण कर अधिकारियों को नियमित सफाई व डी-सिल्टिंग कार्यों की लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नालों में कूड़ा फेंकने से जल निकासी बाधित होती है और जागरूकता के बावजूद ऐसा करने वालों पर नियमानुसार जुमार्ना लगाया जाएगा। भजनपुरा ड्रेन की सफाई व्यवस्था पर जोर निरीक्षण के दौरान स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्य शर्मा, उत्तरी-पूर्वी जोन के चेयरमैन पंकज लूथरा, रेखा रानी, जोन की उपायुक्त ममता यादव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अधिक कूड़ा डाला जाता है, वहां डस्टबिन लगाए जाएं तथा डी-सिल्टिंग से निकले सिल्ट और कचरे का तत्काल उठान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 5.5 मीटर चौड़ी ड्रेन में प्रत्येक कल्वर्ट से पहले जाल लगाने तथा जिन हिस्सों में डी-सिल्टिंग संभव नहीं है, वहां जाल से कवर करने की संभावनाएं तलाशने को भी कहा, ताकि कूड़ा नालों में जाने से रोका जा सके। इस दौरान अधिकारियों ने जोन में ड्रेन की सफाई, सड़कों की मरम्मत और मानसून की तैयारियों की जानकारी दी, जिस पर आयुक्त ने सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। गौतमपुरी और उस्मानपुर में भी किया निरीक्षण इसके बाद आयुक्त ने गौतमपुरी वार्ड का निरीक्षण किया, जहां एमसीडी पार्किंग में लंबे समय से खड़े अनुपयोगी वाहनों को नियमानुसार हटाने के निर्देश दिए। न्यू उस्मानपुर स्थित एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर का संचालन संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, जर्जर और लंबे समय से खाली पड़े एमसीडी फ्लैटों के बेहतर उपयोग के लिए व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देने के बाद उन्होंने सीलमपुर स्थित निगम विद्यालय का भी दौरा किया।

जंतर-मंतर पर शिक्षा सुधार की मांग या सियासी तमाशा? रील्स, भीड़ और राजनीति के शोर में दबी छात्रों की आवाज

नई दिल्ली। देशभर में परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के बीच जंतर-मंतर से शुरू हुआ आंदोलन लाखों छात्रों और अभिभावकों की चिंता की आवाज बनकर सामने आया। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या शिक्षा व्यवस्था में सुधार की यह मांग अपने असली मकसद तक पहुंच पाएगी, या फिर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और अराजकता के शोर में इसका मूल मुद्दा पीछे छूट जाएगा। यही सवाल अब इस पूरे आंदोलन के केंद्र में है। यहां लोगों ने भड़ास निकालने का अड्डा ज्यादा बना लिया है, इसीलिए असल मुद्दों से, बदलाव की बात से भटक गए हैं। आपके मन में भी उठी होगी ये आवाज बतौर माता-पिता जब आप अपने दिल पर हाथ रखकर पूछेंगे तो, इस बात से जरूर सहमत होंगे कि हां, जंतर-मंतर से उठी आवाज यानी मुद्दा तो सही उठा, बहुत बड़े वर्ग के मन की बात उठी। लेकिन, ये शिकन भी तुरंत आपको घेर लेगी क्या राजनीतिक साजिशों और अराजकता के बीच चरमराई शिक्षा व्यवस्था में सुधार की वाजिब आवाज अपने मूल सुधार के उद्देश्य तक पहुंच पाएगी? यदि आप इस सुधार की हुंकार और उत्साह के साथ जंतर-मंतर की उस भीड़ के बीच पहुंच रहे हैं तो आपका ये लक्ष्य एक अधूरे सपने की तरह अंधकार में विलीन हो जाएगा। सोशल मीडिया का स्टेटस अपडेट स्थल बना आप पाएंगे कि वहां भीड़ है, राजनीति है, अराजकता है, साजिश है और जेनजी की वो हुंकार है, अरे, तुम हो आए, हम रह गए, वहां जाने का स्टेटस, सेल्फी भी तो इंस्टा पर अपडेट करना है, तेजी से भीड़ का आना-जाना यहां लगा हुआ है। 20 जुलाई के बाद से दिख रही इस भीड़ का यही तंत्र है कि वहां कोई तंत्र नहीं है। और इसमें वाजिब सा शिक्षा सुधार का मुद्दा लेकर पहुंचे दूर दराज के राज्यों के छात्र जो अपने अभिभावकों तक को नहीं बताकर आए कुछ घंटे या एक दिन रुककर ठगा सा ही महसूस कर रहे हैं।

अब बचेगा आपका समय और पेट्रोल, अरुणा आसफ अली मार्ग पर बनेगा 5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे अरुणा आसफ अली मार्ग पर अब एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। इस परियोजना के लिए दिल्ली सरकार ने 1.97 करोड़ रुपये की राशि जारी कर व्यवहार्यता अध्ययन की मंजूरी दे दी है। यह कॉरिडोर करीब पांच किलोमीटर लंबे अरुणा आसफ अली मार्ग होगा पर बनेगा, जो वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल के पास से शुरू होकर आउटर रिंग रोड तक है। इससे यह मार्ग सिग्नल फ्री हो सकेगा। अभी इस मार्ग पर पांच प्रमुख लालबत्तियां मौजूद हैं। यह मार्ग यातायात की दृष्टि से दक्षिणी दिल्ली के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां दिनभर वाहनों का भारी दबाव बना रहता है। इस सड़क पर कई प्रमुख चौराहे और ट्रैफिक सिग्नल होने के कारण रोजाना लंबा जाम लगता है, जिससे यात्रियों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता है। पीडब्ल्यूडी के अनुसार, व्यवहार्यता अध्ययन के दौरान यातायात का वर्तमान और भविष्य का दबाव, इंजीनियरिंग डिजाइन, निर्माण की तकनीकी संभावनाएं, पर्यावरणीय प्रभाव, भूमि संबंधी आवश्यकताएं तथा परियोजना की लागत सहित विभिन्न पहलुओं का विस्तृत आकलन किया जाएगा। अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर यह तय किया जाएगा कि एलिवेटेड कॉरिडोर का अंतिम स्वरूप क्या होगा और इसे किस प्रकार बनाया जाएगा। इस स्थानों पर लगता है जाम अरुणा आसफ अली मार्ग पर जाम का सबसे बुरा हाल किशनगढ़ में है। यहां फोर्टिस अस्पताल के पास पहली लालबत्ती है। इसके बाद किशनगढ़ गांव में तीन कट और दो लालबत्ती हैं। आगे चलने पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), संजय वन, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया तथा बेर सराय के सामने कट और ट्रैफिक सिग्नल स्थित हैं। इन स्थानों पर व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे पूरे मार्ग पर यातायात प्रभावित होता है। इस परियोजना के पूरा होने से वसंत कुंज, किशनगढ़, जेएनयू, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, बेर सराय तथा आउटर रिंग रोड की ओर आने-जाने वाले लाखों लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। एलिवेटेड कॉरिडोर बनने से लालबत्तियों पर रुकने की आवश्यकता कम होगी, यात्रा का समय घटेगा और ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण में भी कमी आने की संभावना है। अरुणा सफअली मार्ग पर 2010 से पहले और भी बुरी हालत थी। राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उस समय की शीला सरकार ने इस मार्ग के जेएनयू और किशनगढ़ के बीच नीली झील पर फ्लाईओवर बनाया था। लेकिन कट और लालबत्तियों के कारण अभी भी इस मार्ग पर जाम लगता है। हरियाणा सीमा तक इसे एलिवेटेड मार्ग बनाने की मांग किशनगढ़ से पूर्व निगम पार्षद कुसुम खत्री का कहना है कि अरुणा आसफ अली रोड को एलिवेटेड करने के लिए पिछले कई साल से पत्र लिख रही हैं। उनका सुझाव है कि जेएनयू की ओर से आकर फोर्टिस अस्पताल से आगे ले जाकर इस मार्ग को रजोकरी के जंगल से होते हुए गुरुग्राम के सेक्टर 56 के पास दिल्ली की सीमा पर निकाला जाए। इससे जनता को बहुत बड़ी राहत मिल सकेगी।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खींचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ ंशिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बड़ा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3958

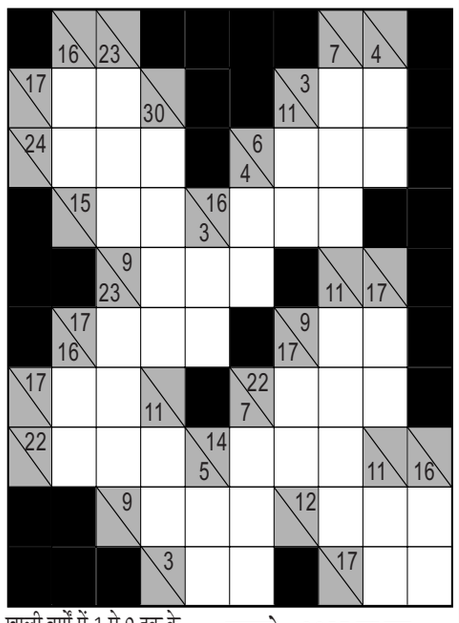

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

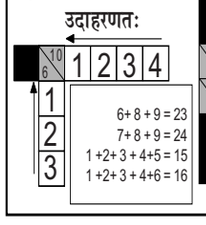

काकुरो - 3957 का हल

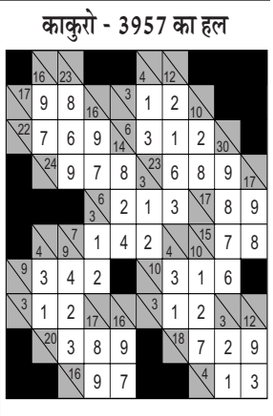

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3958

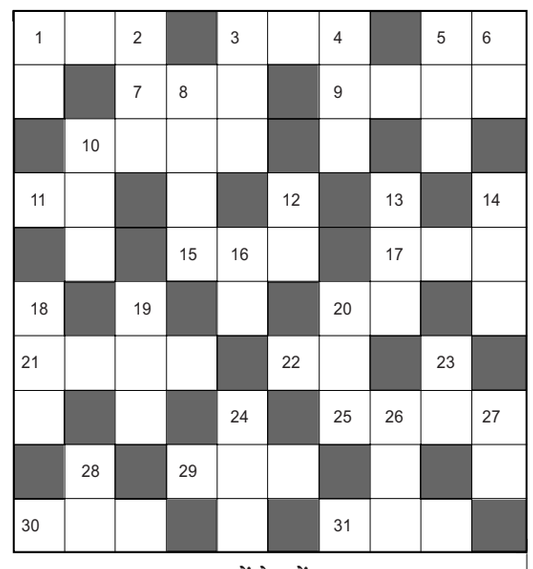

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बारना दे बारना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3957

शि	ल्पा		अ	स	रा	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -3958

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3957 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3958

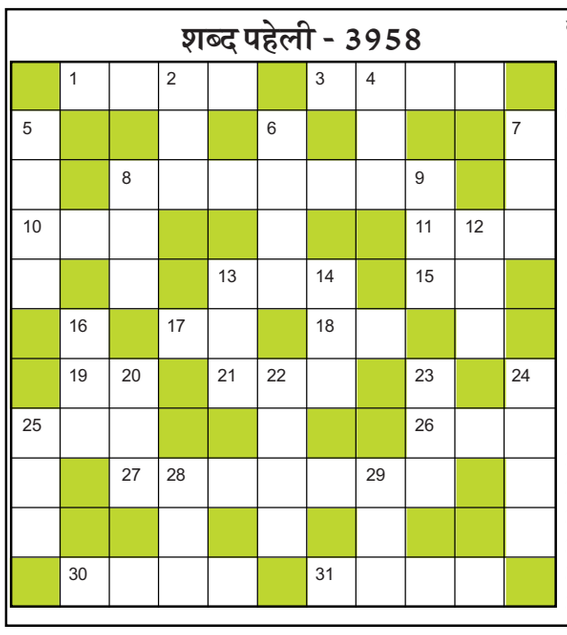

बाएँ से दाएँ

1. ईष्ट कृपा,वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा,बैर-3
11. जंगल,वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा,लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय,घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी,मदमस्त-4
7. यज्ञ,होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3957 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ			चे	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

'मंटो' ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी

बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।

रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए। फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है।

किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा'

फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खैरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।''

अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''

ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।''

उन्होंने आगे कहा, ''रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।''

'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर

बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शशवत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मंजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करे। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद'।

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाश्वत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया'।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।